Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 15 नवंबर, 2023

बिरसा मुंडा की जयंती

भारत के प्रधानमंत्री ने **छोटानागपुर पठार क्षेत्र** में **मुंडा जनजाति** से संबंधित आदिवासी नेता **बिरसा मुंडा को उनकी जयंती (15 नवंबर, 1875)** पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

- ब्रिटिश औपनिवेशिक उपस्थिति और आदिवासियों को ईसाई धर्म में परिवर्तित करने के मिशनरियों के प्रयासों के जवाब में **बिरसा मुंडा ने 'बिरसाइत (Birsait)' विश्वास की शुरुआत की, वे** एक **आदिवासी नेता** के रूप में उभरे और ब्रिटिश रूपांतरण प्रयासों के खिलाफ प्रतिरोध का नेतृत्व किया।
- उन्होंने मुंडा विद्रोह का नेतृत्व किया, जिसका उद्देश्य **मुंडा राज**, या स्व-शासन स्थापित करना और उनकी भूमि तथा जंगल पर आदिवासियों के अधिकारों को बहाल करना था।
- बिरसा मुंडा ने **आदिवासियों को औपनिवेशिक कानूनों का विरोध और लगान देने से इनकार करने के लिये प्रोत्साहित** किया। उन्होंने **गुरिल्ला युद्ध,** धार्मिक प्रथाओं को चुनौती देने और सामाजिक परिवर्तनों को शामिल करते हुए उलगुलान आंदोलन शुरू किया।
  - उलगुलान आंदोलन का उद्देश्य अंग्रेज़ों को खदेड़कर मुंडा राज की स्थापना करना था।
- जनजातीय योगदान को स्वीकार करते हुए जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया गया।
- अनुयायियों द्वारा उन्हें **'भगवान' और 'धरती आबा' (Dharti Abba) के** रूप में जाना जाता है।
- भारतीय संसद द्वारा बिहार पुनर्गठन अधिनियम, 2000 पारित होने के बाद 15 नवंबर, 2000 को **(बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर)** बिहार से अलग झारखंड राज्य की स्थापना की गई थी।

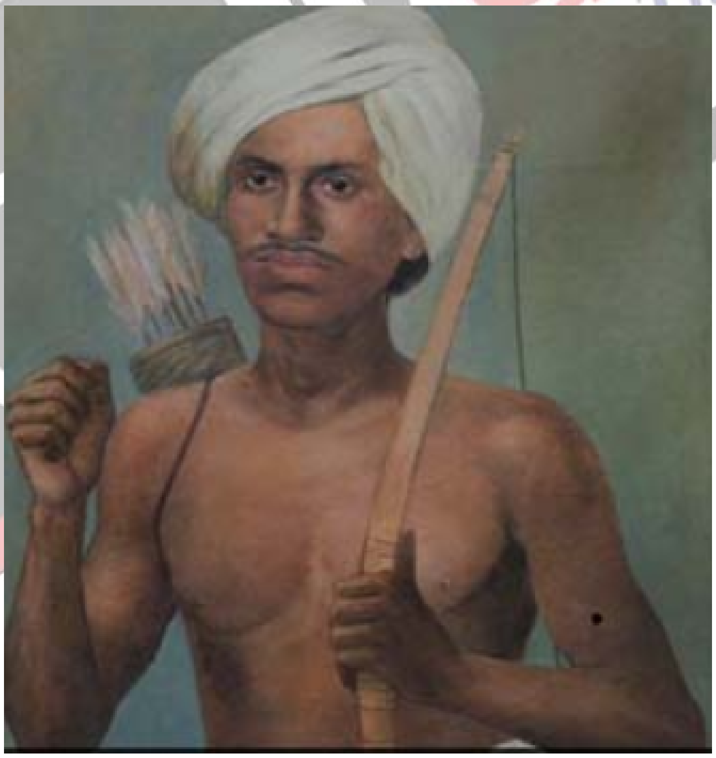

और पढ़ें... बिरसा मुंडा की जयंती, जनजातीय गौरव दिवस

बेस्तु वर्ष 2023

- भारत के प्रधानमंत्री ने गुजराती नव वर्ष के अवसर पर लोगों को शुभकामनाएँ दी।

- गुजराती नव वर्ष 2023, जिसे **पड़वा अथवा बेस्तु वर्ष** के नाम से भी जाना जाता है, यह **14 नवंबर** को मनाया जा रहा है।
- यह पाँच दिवसीय **दिवाली** समारोह के दौरान मनाया जाता है। यह आदर्श रूप से **कार्तिक मास (हिंदू कैलेंडर माह) में शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा** को पड़ता है।

और पढ़ें...भारत के पारंपरिक नववर्ष त्योहार

उबासी का संक्रामक रहस्य

उबासी, जो अक्सर **बोरियत या मानसिक विराम** से जुड़ी होती है, दिलचस्प संक्रामक गुणों वाली एक घटना बनी हुई है।

- वैज्ञानिकों ने पाया कि **बंदर,** मनुष्यों की तरह, **संक्रामक उबासी** में संलग्न होते हैं, खासकर समान आयु और सामाजिक समूहों में।
    - यह घटना समकालिक नींद-जागने के पैटर्न और प्राइमेट्स के बीच साझा ध्यान से जुड़ी हुई है।
- हालाँकि यह अनिवार्य नहीं है, उबासी लेना समूह की गतिशीलता में एक शक्तिशाली ट्रिगर के रूप में कार्य करता है। अध्ययन **व्यावहारिक समकालिकता की एक व्यापक अवधारणा** का सुझाव देता है, जहाँ देखी गई क्रियाएँ दूसरों को संक्रामक तरीके से प्रभावित करती हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-15-november,-2023